श्रमेण सर्वम् साध्यम्
Border Roads Organisation

राम नारायण शुक्ला
सहा. निदेशक (राजभाषा)

जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स सेन्टर
दिघी, कैम्प, पुणे - १५
General Reserve Engineer Force Centre
Dighi Camp
Pune
Pin - 411 015

1107/निरीक्षण/148/हिं. अनु. 25 जून 2025

श्री सुरेश गुप्ता
मुख्य अभियंता
मुख्यालय चेतक परियोजना
पिन–931707
द्वारा 56 सेना डाकघर

आदरणीय महोदय,

1. कृपया सीमा सड़क महानिदेशालय के पत्र संख्या 17496/निरीक्षण/सी.स.म./113/हि. अनु. दिनांक 10 मार्च 2025 एवं इस मुख्यालय के पत्र संख्या 1107/निरीक्षण/142/हिंदी अनुभाग दिनांक 16 मई 2025 का संदर्भ ले।

2. महानिदेशालय के उपरोक्त पत्र के अनुसरण में राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार हेतु आपके यहां किये गये प्रयासों के आंकलन हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा आपके मुख्यालय का निरीक्षण किया गया। संबंधित उद्देश्य हेतु आपके द्वारा उठाये गए कदम सर्वथा सराहनीय है जो राजभाषा के प्रति आपके प्रेम को उजागर करता है जो कि प्रशंसनीय है।

3. निरीक्षण के दौरान आपके मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदान किये गये सहयोग के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं तथा आशान्वित हूँ कि भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

4. निरीक्षण के दौरान कुछ बिंदु सामने आये हैं जिन्हे इस पत्र के परिशिष्ट 'क' के रूप में संलग्न किया गया है।

क्रमशः पृष्ठ 2/-

5. आशा है कि राजभाषा के प्रति भविष्य में भी आपका दृष्टिकोण इसी प्रकार सकारात्मक रहेगा।

शुभकामनाओं सहित

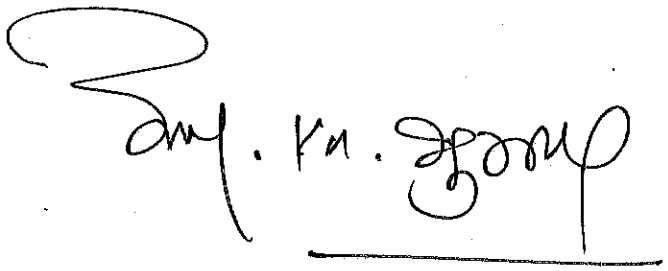

प्रतिलिपि:-

मुख्यालय / हिंदी अनुभाग
सीमा सड़क महानिदेशालय
सीमा सड़क भवन
रिंग रोड़, दिल्ली कैन्ट
नई दिल्ली–10

– परियोजना चेतक की राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी निरीक्षण प्रश्नावली सुगम संदर्भ हेतु प्रेषित की जाती है।

मुख्यालय मुख्य अभियंता (परि.) चेतक में निरीक्षण के दौरान पुनरीक्षित बिंदु

(क) भारत सरकार द्वारा जारी प्रोत्साहन योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जाए तथा अधिक से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाए। वर्तमान में आपके मुख्यालय में कितने कार्मिकों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया गया है उनका ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(ख) अधिकांश रबर की मोहरे द्विभाषी में बनाई गई है तथा शेष की मोहरे भी चरणबद्व तरीके से अविलंब बनाई जाये।

(ग) हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के पश्चात् व्याख्याताओं को नियमानुसार मानदेय दिया जाना आपेक्षित है। व्याख्यान के लिए बाहर से व्याख्यान कर्ताओं को भी बुलाया जा सकता है।

(घ) मुख्यालय परिसर में लगे बोर्ड अधिकांश अंग्रेजी में है।

(च) पर्याप्त मात्रा में हिंदी पुस्तकों की खरीद की जाये ताकि राजभाषा विभाग के नियमों की परिपालना सुनिश्चित हो सके।

(छ) अधीनस्थ कृतिक बलों की निरीक्षण प्रश्नावली के अनुशीलन के पश्चात् यह पाया गया कि राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन उनके यहां प्रशंसनीय नहीं है। अतः कृतिक बलो को हिंदी के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु समय–समय पर निर्देशित किया जाये।

25/6/25